RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 148
दि. 27.09.2025, शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

पीएम मोदी बोले- 'मैं और नीतीश आपके भाई हैं'

(जीएनएस)।

बिहार चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक मंच पर ऑनलाइन नजर आए। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की शुरूआत की और 75 लाख से ज्यादा महिलाओं के खाते में सीधे 10-10 हजार रुपये की राशि ट्रांसफर की।

कार्यक्रम के दौरान दोनों नेताओं ने न सिर्फ महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर दिया, बल्कि पुराने दौर की तुलना करते हुए बिहार की बदली तस्वीर का भी जिक्र किया। लालू यादव और राजद पर भी सीधा हमला बोला गया। आइए जानते हैं, पीएम मोदी और नीतीश कुमार के भाषण की 5 बड़ी बातें।

1. महिलाओं के खाते में सीधा पैसा, कोई कटौती नहीं

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, "आज से 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार' योजना शुरू की जा रही है। इस योजना से अब तक 75 लाख बहनें जुड़ चुकी हैं। अभी एक साथ इन सभी 75 लाख बहनों के बैंक अकाउंट में 10-10 हजार रुपये भेजे गए हैं। जब यह प्रक्रिया चल रही थी, तब मैं सोच रहा था कि आज नीतीश जी की सरकार ने बिहार की बहनों-बेटियों के लिए कितना बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जब कोई बहन या बेटी रोजगार या स्वरोजगार करती है, तो उसके सपनों को नए पंख लग जाते हैं, और समाज में उसका सम्मान और भी बढ़ जाता है।"

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में जनधन योजना का जिक्र करते हुए कहा कि अगर 30 करोड़ से ज्यादा माताओं-बहनों के बैंक खाते न खुले होते, तो आज यह योजना संभव नहीं होती। उन्होंने साफ कहा- "आज जो 10-10 हजार रुपये भेजे गए हैं, वो सीधे आपके खाते में जमा होंगे। पहले योजना का पैसा लूट लिया जाता था, अब कोई एक रुपया भी मार नहीं सकता।"

पीएम ने यह भी जोड़ा कि पहले एक प्रधानमंत्री कहते थे, दिल्ली से 1 रुपया भेजते हैं तो जनता तक सिर्फ 15 पैसा पहुंचता है, लेकिन अब तकनीक और पारदर्शिता से पूरा पैसा सीधे लोगों तक जा रहा है।

अपने भाषण में पीएम मोदी ने महिलाओं से सीधा रिश्ता जोड़ते हुए कहा-"एक भाई तब ही खुश होता है, जब उसकी बहन स्वस्थ और खुशहाल हो। आज आपके दो भाई, नरेंद्र और नीतीश, मिलकर बहनों के लिए लगातार काम कर रहे हैं।"

उन्होंने जीविका दीदियों की तारीफ करते हुए कहा कि उनके काम से गांव और समाज दोनों बदल रहे हैं। पीएम ने भरोसा जताया कि बिहार की महिलाएं देश में सबसे ज्यादा 'लखपति दीदी' बनेंगी।

पीएम मोदी ने अपने भाषण में सीधे राजद और लालू यादव के शासनकाल पर निशाना साधा।

योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में अशांति फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आह्वान किया

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दशहरा उत्सव के दौरान शांति भंग करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आह्वान किया है, जिसे उन्होंने बुराई पर विजय का उत्सव बताया। कानपुर नगर, वाराणसी और आगरा जैसे शहरों में हाल की घटनाओं ने अशांति पैदा करने के संगठित प्रयासों के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं। आदित्यनाथ ने अधिकारियों को इन गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है।

देर रात कानून-व्यवस्था की समीक्षा के दौरान, आदित्यनाथ ने आपत्तिजनक जुलूसों के पीछे आयोजकों और सरगनाओं की पहचान करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को वीडियो फुटेज की जांच करने और सोशल मीडिया की निगरानी करने का निर्देश दिया ताकि

यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी गलत काम करने वाला बच न जाए। बैठक में जोनल एडीजी और जिलाधिकारियों सहित वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने अपराध के प्रति अपनी शून्य-सहिष्णुता की नीति को दोहराया, नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी। उन्होंने मिशन शक्ति 5.0 की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया और असामाजिक तत्वों को गरबा और डांडिया जैसे आयोजनों में घुसपैठ करने से रोकने के लिए निर्देश जारी किए। आदित्यनाथ ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों में त्वरित कार्रवाई और छेड़छाड़ या एसिड हमलों के मामलों में पुलिस थानों की जवाबदेही पर जोर दिया। दशहरा के बाद, जोनल एडीजी स्टेशन-वार समीक्षा करेंगे और रिपोर्ट पेश करेंगे। आदित्यनाथ ने सिद्धार्थनगर और प्रयागराज जैसे जिलों में ड्रोन टोही और चोरी की अफवाहों को भी संबोधित किया, और गलत सूचना फैलाने वालों की गिरफ्तारी का आह्वान किया।

पांच लाख से अधिक छात्रों को दीपावली से पहले दी जाएगी छात्रवृत्तिः सीएम योगी

अनुसूचित जाति-जनजाति के करीब पांच लाख छात्रों को संस्थान की ओर से डाटा अपलोड न करने की वजह से छात्रवृत्ति नहीं मिल पायी क्योंकि डाटा लॉक हो गया था। ऐसे

छात्रों को दीपावली से पहले छात्रवृत्ति देने के लिए पैसा तैयार कर लिया गया है। छात्रवृत्ति से वंचित सभी छात्रों को दीपावली से पहले उनके खाते में छात्रवृत्ति भेज दी जाएगी। वहीं जिनकी वजह से छात्रों को स्कॉलरशिप नहीं मिल पायी है, उनकी भी जवाबदेही तय की जाएगी ताकि आने वाले समय में ऐसी त्रुटि न हो।

बिहार चुनाव : 'ये बर्दाश्त के बाहर है', बहन रोहिणी आचार्य के बागी तेवर पर पहली बार बोले तेजस्वी यादव

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले लालू यादव परिवार में हलचल तेज हो गई है। रोहिणी आचार्य की नाराजगी की खबरों के बीच अब उनके भाई और राजद नेता तेजस्वी यादव ने प्रतिक्रिया दी है। शुक्रवार (26 सितंबर, 2025) को पत्रकारों से बातचीत में तेजस्वी ने कहा कि कुछ लोग ट्रोलर्स की तरह सोशल मीडिया पर गलत कमेंट कर रहे हैं और रोहिणी दी पर आरोप लगा रहे हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि रोहिणी हमेशा परिवार और पार्टी के लिए समर्पित रही हैं और उनका उद्देश्य कभी व्यक्तिगत स्वार्थ नहीं रहा।

रोहिणी दी ने बड़ा बलिदान दिया है- तेजस्वी

तेजस्वी ने कहा कि, रोहिणी दी की पार्टी और परिवार के प्रति निष्ठा हमेशा स्पष्ट रही है। कभी भी रोहिणी दी की इच्छा अपने स्वार्थ में नहीं रही है। पार्टी को आगे बढ़ाने में रही हैं। हमको आगे बढ़ाने में जो कर सकती हैं, कर रही हैं। ना टिकट पाना, ना किसी को टिकट दिलवाना, ना कोई पद पाना - कोई इच्छा नहीं रही है।

उन्होंने यह भी बताया कि रोहिणी ने परिवार के लिए बड़ा बलिदान दिया है। हमारी बहन ने अपने पिता को किडनी दी। यह बलिदान आजकल कम ही देखने को मिलता है। रोहिणी दी ने पार्टी को मजबूत किया और हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाया। लोग चाहते थे कि उन्हें छपरा से टिकट मिले और लालू जी ने पार्टी कार्यकताओं और जनता की मांग को देखते हुए उन्हें टिकट दिया।

तेजस्वी यादव ने आगे कहा, कुछ लोग रहते हैं बीजेपी के, कुछ लोग ट्रोलर्स रहते हैं, रहते सब दल में हैं और तरह-तरह के कमेंट करने लगते हैं। ट्रोलर हमको भी गाली देता है, लालू यादव को भी गाली देता है।

चुनाव से पहले बीजेपी को बड़ा झटका, 2 बड़े नेताओं ने थामा आजजेडी का दामन

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। बीते 24 घंटों में वायरल हुई एक तस्वीर ने सियासत में हड़कंप मचा दिया। इस तस्वीर में पूर्व मंत्री बृज

किशोर बिंद और पूर्व विधायक निरंजन राम तेजस्वी यादव के साथ नजर आए। इसके बाद कयास लगाए जाने लगे कि बीजेपी को कैमूर क्षेत्र में बड़ा झटका लग सकता है। ठीक वैसा ही हुआ। बृजकिशोर बिंद ने बीजेपी का साथ छोड़कर आरजेडी का दामन थाम लिया है।

धान का कटोरा छत्तीसगढ़ में किसानों को जीएसटी सुधार का लाभ, ट्रैक्टर खरीदी पर मिली बड़ी राहत -सीएम विष्णु देव साय

जीएसटी बचत उत्सव के दौरान, मुख्यमंत्री विष्णु देव साई ने छत्तीसगढ़ में किसानों के साथ बातचीत की, ट्रैक्टरों और हार्वेस्टर पर महत्वपूर्ण बचत पर प्रकाश डाला। इस पहल का उद्देश्य कृषि उत्पादकता और उपभोक्ता राहत को बढ़ाना है।

(जीएनएस)।

रायपुर, 26 सितंबर 2025/मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज जीएसटी बचत उत्सव के बीच औचक निरीक्षण पर देवपुरी स्थित ट्रैक्टर शोरूम पहुंचे। श्री साय ने यहां किसानों से आत्मीय संवाद कर जीएसटी कटौती पर उनकी प्रतिक्रिया और खरीदी में हुई बचत की जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री साय ने शोरूम में ट्रैक्टर और हार्वेस्टर खरीदने आए किसानों को चाबी सौंपकर शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अभनपुर के बिरोदा निवासी श्री रवि कुमार साहू को उनके नए हार्वेस्टर की चाबी सौंपी। इस अवसर पर खुशी व्यक्त करते हुए श्री रवि साहू ने कहा, "मैने सपने में भी नहीं सोच था कि मैं नया हार्वेस्टर खरीदूंगा। मैं सेकेंड हैंड हार्वेस्टर खरीदने के बारे में सोच रहा था। जीएसटी उत्सव में नए हार्वेस्टर खरीद पर मुझे पूरे 2 लाख रुपए की बचत हुई है। किसानों की चिंता का समाधान हमारे संवेदनशील प्रधानमंत्री मोदी जी और किसानहितैषी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी ही कर सकते हैं। मुख्यमंत्री जी ने स्वयं मुझे मेरे नए

हार्वेस्टर की चाबी सौंपी और मुझसे बेहद आत्मीयता से संवाद किया। मैंने उन्हें बताया कि मेरे पास दो एकड़ खेत है और अब हार्वेस्टर आने से मैं गांव में साझेदारी से और अधिक खेती कर पाऊंगा।" श्री रवि ने जीएसटी में कटौती के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अभनपुर कोलर से आए वरिष्ठ किसान श्री ज्ञानिक राम साहू को उनके नए ट्रैक्टर की चाबी सौंपी। मुख्यमंत्री से संवाद करते हुए श्री साहू ने बताया कि जीएसटी में कटौती के बाद नए ट्रैक्टर की खरीदी पर उन्हें पूरे 60 हजार रुपए की बचत हुई है। उन्होंने कहा कि इस बचत से उनका परिवार त्योहार को और अच्छे से मना सकेगा।

ट्रैक्टर शो रूम के प्रोप्राइटर श्री अशोक अग्रवाल ने मुख्यमंत्री से संवाद में बताया कि जीएसटी में कटौती के कारण बिक्री में इजाफा हो रहा है और ग्राहकों का उत्साह बढ़ा है। उन्होंने कहा, "पहले जो ट्रैक्टर 10.25 लाख रुपए का आता था, वह अब 9.75 लाख रुपए में उपलब्ध है, जिससे किसानों को 50 हजार रुपए की बचत हो रही है।

इसी तरह 7.62 लाख का ट्रैक्टर अब 7.21 लाख और 6.51 लाख का ट्रैक्टर अब 6.11 लाख रुपए में मिल रहा है। कीमतों में कटौती और फेस्टिवल डिस्काउंट से किसानों की बड़ी बचत हो रही है। जीएसटी दर घटने के बाद हार्वेस्टर भी सस्ते हो गए हैं।"

इसके बाद मुख्यमंत्री श्री साय देवपुरी के बजाज बाइक शोरूम पहुंचे और यहां मौजूद ग्राहकों से जीएसटी कटौती पर आत्मीय चर्चा की। उन्होंने बाइक खरीदने आए संतोषी नगर निवासी श्री एम.डी. गुलाब को उनकी नई बाइक की चाबी सौंपी। श्री गुलाब ने बताया कि जीएसटी में कटौती के बाद बाइक खरीदने पर उन्हें 7 हजार रुपए की बचत हुई है। उन्होंने कहा, "मैंने बजाज प्लेटिना 110 सीसी बाइक खरीदी है, जिसकी पहले कीमत 89,000 रुपए थी, जो अब मुझे 82,000 रुपए में मिली।"

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लागू जीएसटी 2.0 ने आम जनता, किसानों और उपभोक्ताओं को वास्तविक राहत दी है। ट्रैक्टर, हार्वेस्टर और अन्य कृषि यंत्रों की कीमतों में आई कमी से किसानों को सीधा लाभ हो रहा है, जिससे उनकी खेती-किसानी और जीवनयापन और सुगम होगा। उन्होंने कहा कि इस जीएसटी बचत उत्सव से उपभोक्ताओं की जेब पर बोझ कम हुआ है और त्यौहारी सीजन में परिवारों की खुशियाँ बढ़ी हैं।

5 हजार से ज्यादा वक्फ संपत्तियां, बोर्ड को नहीं पता- कितनों पर अतिक्रमण, सीएम ने मांगी रिपोर्ट

उत्तराखंड में 5 हजार से ज्यादा वक्फ संपत्तियां हैं, लेकिन कितनी संपत्तियों पर अतिक्रमण हैं। इसकी जानकारी उत्तराखंड वक्फ बोर्ड को नहीं है। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की ओर से सभी वक्फ संपत्तियों का रिकॉर्ड भारत सरकार के 'उम्मीद पोर्टल' पर अनिवार्य रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को निर्देश दिए हैं कि वक्फ संपत्तियों का संपूर्ण ब्यौरा शीघ्र उपलब्ध कराया जाए। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

प्रियंका गांधी ने पटना में भरी हुंकार, 'चुनाव से पहले कुछ पैसे देकर आपको खरीदने की कोशिश कर रहे हैं'

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस प्रदेश में अपना आधार मजबूत करने में जुटी हुई है। राहुल गांधी ने पहले वोट अधिकार यात्रा निकाली और फिर कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक भी पटना में हुई है। अब शुक्रवार को चुनाव से पहले प्रियंका गांधी ने महिलाओं की रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने नीतीश सरकार के महिलाओं के खाते में 10,000 रुपये दिए जाने की योजना पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले कुछ रुपये देकर महिलाओं को खरीदने की कोशिश हो रही है।

प्रियंका गांधी ने महिलाओं की रैली में कहा कि हमारी सरकार बनने पर महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपए दिए जाएंगे। इसके अलावा, 25 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज सरकार की ओर से होगा। भूमिहीन परिवारों के लिए 3 से 5 डिसमिल जमीन का मालिकाना हक महिलाओं को देने का भी वादा किया।

प्रियंका गांधी ने नीतीश सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए उनकी महिलाओं के खाते में 10,000 जमा किए जाने की योजना पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'आपको देखना पड़ेगा कि कौन सी पार्टी आपको सम्मान दे रही है। आज चुनाव आ गए हैं, तो ये महिलाओं को 10,000 रुपये दे रहे हैं। इतने दिन से क्यों नहीं दिया था।'

यह भी पढ़ेंः ई१ उँ४ल्लं५: 'ये बर्दाश्त के बाहर है', बहन रोहिणी आचार्य के बागी तेवर पर पहली बार बोले तेजस्वी यादव

वायनाड से कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, 'सम्मान का मतलब ये नहीं कि चुनाव से पहले कुछ पैसे दे दिए जाएं- ये तो खरीदने की कोशिश है। महिला सम्मान तब होगा जब आपको हर महीने सही मानदेय मिलेगा।

आत्मनिर्भर तथा स्वदेशी अभियान को सफल बनाने के लिए रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुओं का स्वदेशी होना आवश्यक : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

'निर्मल गुजरात अवॉड्र्स'- महात्मा मंदिर

गांधीनगर, 26 सितंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य की 8 महानगर पालिकाओं तथा 16 नगर पालिकाओं को स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए शुक्रवार को 'निर्मल गुजरात अवॉड्र्स' प्रदान करते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि शहरों में ऐसा अधिक बेहतर विकास करने की हमारी मंशा है, जिससे स्वच्छता सहित जनता की सुख-सुविधा के कार्यों के लिए शहरों के बीच अवॉर्ड पाने की प्रतिस्पर्धा हो।

श्री पटेल की अध्यक्षता में गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में निर्मल गुजरात अवॉर्ड वितरण समारोह तथा स्वच्छ भारत मिशन का चिंतन शिविर आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर स्वच्छता क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए 'निर्मल गुजरात अवॉड्र्स' वितरित किए तथा कुल 18.5 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की। इसके अतिरिक्त; उन्होंने 'मारुं शहेर, मारुं गौरव अभियान' (मेरा शहर, मेरा गौरव अभियान) के लोगो का अनावरण भी किया।

उन्होंने निर्मल गुजरात अवॉर्ड प्राप्त करने वाली महानगर पालिकाओं व नगर पालिकाओं को अभिनंदन देते हुए कहा कि इस प्रकार के अवॉर्ड से अन्य शहरों को भी अधिक अच्छा कार्य करने का प्रोत्साहन मिलता है। स्वतंत्रता के बाद जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशव्यापी स्वच्छता अभियान शुरू किया गया है, तब स्वच्छता अब सभी नागरिकों के संस्कार एवं स्वभाव में बुन गई है। उन्होंने जोड़ा कि स्वच्छ भारत अभियान, निर्मल गुजरात मिशन जैसे विकासोन्मुखी अभियानों में राज्य सरकार महानगर पालिकाओं-नगर पालिकाओं को वित्तीय सहयोग देने को सदैव तैयार है।

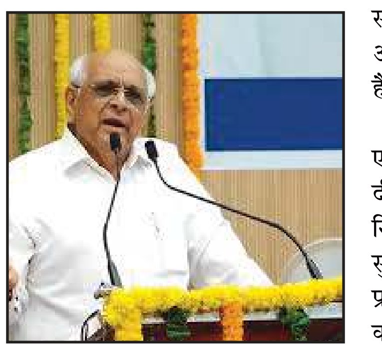

श्री पटेल ने नगर पालिकाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि अब हम सबको साथ मिलकर और अधिक गुणवत्तापूर्ण विकास कार्य करने होंगे। विकसित भारत के निर्माण के लिए राज्य में किसी एक शहर का ही विकास नहीं, अपितु छोटे से छोटे सुदूरवर्ती मानव का भी विकास कर उसे मुख्य धारा में लाना हमारा ध्येय है। उन्होंने जोड़ा कि प्रधानमंत्री द्वारा शुरू कराए गए स्वच्छता सहित विभिन्न अभियान आज सच्चे अर्थ में जन आंदोलन बने हैं।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती 25 सितंबर यानी कल से शुरू कर सुशासन के प्रणेता दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती यानी आगामी 25 दिसंबर तक देशभर में 'आत्मनिर्भर भारत' के लिए हर घर स्वदेशी अभियान चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री के इस अभियान को सफल बनाने के लिए हमें इस बात पर बल देना होगा कि हमारे घर में उपयोग में ली जाने वाली रोजमर्रा की वस्तुएँ स्वदेशी हों।

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी पाँच जोड़ी त्योहार स्पेशल ट्रेनें

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस-सांगानेर, इंदौर-खड़की, इंदौर-हजरत निजामुद्दीन, साबरमती-पटना और राजकोट-बरौनी स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर त्योहार स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. ट्रेन संख्या 09023/09024 बांद्रा टर्मिनस - सांगानेर सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल [18 फेरे]

ट्रेन संख्या 09023 बांद्रा टर्मिनस-सांगानेर सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को बांद्रा टर्मिनस से 16:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12:30 बजे सांगानेर पहुँचेगी। यह ट्रेन 2 अक्टूबर से 27 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09024 सांगानेर-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को सांगानेर से 16:50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11:15 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 03 अक्टूबर से 28 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, चौमहला, शामगढ़, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा और सवाई माधोपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर और एसी 3 टियर (इकोनॉमी) कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09427/09428 साबरमती -पटना साप्ताहिक स्पेशल [18 फेरे]

ट्रेन संख्या 09427 साबरमतीझ्र पटना स्पेशल प्रत्येक बुधवार को साबरमती से 18:10 बजे प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को 01:00 बजे पटना पहुँचेगी। यह ट्रेन 01 अक्टूबर से 26 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09428 पटनाझ्रसाबरमती स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को पटना से 04:40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09:55 बजे साबरमती पहुँचेगी। यह ट्रेन 03 अक्टूबर से 28 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, मारवाड़, अजमेर, जयपुर, गांधी नगर जयपुर, दौसा, भरतपुर, अछनेरा, ईदगाह आगरा, टूंडला, इटावा, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., मिर्जापुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा और दानापुर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में अउ-3 टियर कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 09324/09323 इंदौर-खड़की साप्ताहिक स्पेशल [18 फेरे]

ट्रेन संख्या 09324 इंदौर-खड़की साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक बुधवार को 11:15 बजे इंदौर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 03:10 बजे खड़की पहुंचेगी। यह ट्रेन 1 अक्टूबर से 26 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09323 खड़की-इंदौर साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक गुरुवार 05:10 बजे खड़की से प्रस्थान करेगी और उसी दिन 23:55 बजे इंदौर पहुँचेगी। यह ट्रेन 2 अक्टूबर से 27 नवंबर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में देवास, उज्जैन, नागदा, रतलाम, गोधरा, वडोदरा, सूरत, वलसाड, वापी, वसई रोड, कल्याण और लोनावला स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर और एसी-3 टियर कोच होंगे।

4. ट्रेन संख्या 09309/09310 इंदौरझ्रहजरत निजामुद्दीन द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल [36 फेरे]

ट्रेन संख्या 09309 इंदौर -हजरत निजामुद्दीन सुपरफास्ट स्पेशल इंदौर से प्रत्येक शुक्रवार और रविवार को 17:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05:00 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुँचेगी। यह ट्रेन 03 अक्टूबर से 30 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09310 हजरत निजामुद्दीन-इंदौर सुपरफास्ट स्पेशल हजरत निजामुद्दीन से प्रत्येक शनिवार और सोमवार को 08:20 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 21:00 बजे इंदौर पहुँचेगी। यह ट्रेन 04 अक्टूबर से 01 दिसंबर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में देवास, उज्जैन, नागदा, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी और मथुरा स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर और एसी-3 टियर कोच होंगे।

5. ट्रेन संख्या 09569/09570 राजकोट-बरौनी साप्ताहिक स्पेशल [18 फेरे]

ट्रेन संख्या 09569 राजकोट-बरौनी साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को राजकोट से 17:00 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को 05:00 बजे बरौनी पहुँचेगी। यह ट्रेन 2 अक्टूबर से 27 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09570 बरौनी-राजकोट साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक शनिवार को बरौनी से 14:40 बजे प्रस्थान करेगी और सोमवार को 04:40 बजे राजकोट पहुँचेगी। यह ट्रेन 04 अक्टूबर से 29 नवंबर 2025 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वाकानेर, सुरेंद्रनगर, चांदलोडिया बी केबिन, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधी नगर जयपुर, दौसा, बांदीकुई, भरतपुर, ईदगाह आगरा, टूंडला, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर और शाहपुर पटोरी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में अउ-2 टियर और अउ-3 टियर कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09023, 09427 09324, 09309 एवं 09569 की बुकिंग 28 सितंबर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

भावनगर मंडल कार्यालय में विभागीय राजभाषा प्रदर्शनी का आयोजन

राजभाषा माह -2025 के अंतर्गत पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 26 सितम्बर 2025 (शुक्रवार) को रेलवे कम्युनिटी हॉल, भावनगर परा में विभागीय राजभाषा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि इस प्रदर्शनी में मंडल के 13 विभागों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जहाँ प्रत्येक विभाग ने अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा राजभाषा हिंदी में किए जा रहे कार्यों को प्रदर्शित किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर मंडल के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने प्रदर्शनी की सराहना करते हुए सभी विभागों को अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करने हेतु प्रेरित किया तथा सभी को बधाई दी। साथ ही प्रदर्शनी के सफल आयोजन के लिए उन्होंने हिंदी विभाग की भी प्रशंसा की।

राजभाषा माह के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विभिन्न रुचिकर हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जा रहा है, जिससे राजभाषा हिंदी के प्रयोग और संवर्धन को प्रोत्साहन मिलेगा।

माननीय सांसद डॉ. हेमांग जोषी द्वारा छायापुरी रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधा के विविध कार्यों का लोकार्पण

माननीय सांसद डॉ. हेमांग जोषी द्वारा 25 सितम्बर 2025 को छायापुरी रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म 1 एवं 2 पर नवनिर्मित एस्केलेटर, फूट ओवर ब्रिज एवं वाटर कूलर का लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने माननीय सांसद का स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ॰ जोषी ने कहा कि छायापुरी रेलवे स्टेशन एक अग्रणी स्टेशन है और यहाँ प्रदान की गई नई यात्री सुविधाएँ विशेषकर दिव्यांगजन, वृद्ध एवं बीमार यात्रियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगी। उन्होंने वडोदरा मंडल द्वारा यात्रियों को सुविधाजनक सेवाएँ उपलब्ध कराने हेतु किए जा रहे सतत प्रयासों की सराहना की।

डॉ॰ जोषी ने जानकारी दी कि छायापुरी स्टेशन पर बने इस एस्केलेटर एवं फूट ओवर ब्रिज की लागत लगभग 8 करोड़ रुपये है। इसके बन जाने से यात्रियों को प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 से 2 पर आने-जाने में आसानी होगी तथा यात्री सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

छायापुरी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म 2 पर निःशुल्क शीतल पेयजल सुविधा शुरू की गई है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य भीषण गर्मी के दौरान प्रतिदिन स्टेशन से गुजरने वाले हजारों यात्रियों को स्वच्छ और शीतल पेयजल उपलब्ध कराना है। यह कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (उरफ) के तहत के.पी. एज्युकेशन एवं मेडिकल संस्था और रेलवे के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है।

लोकार्पण कार्यक्रम के उपरांत माननीय सांसद डॉ॰ हेमांग जोषी ने चल रहे ' स्वच्छता ही सेवा - 2025ह्न अभियान के तहत 'एक दिन, एक घंटा, एक साथह्न कार्यक्रम के अंतर्गत छायापुरी रेलवे स्टेशन पर श्रमदान किया। इस अवसर पर उनके साथ मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके एवं अन्य रेल अधिकारियों ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के समापन पर माननीय सांसद ने सफाई सेवकों को अपने हाथों से भोजन परोसकर उनका सम्मान किया, जिसमें मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने भी सहयोग किया।

इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री नरेन्द्र कुमार, वरिष्ठ मंडल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (पावर) श्री प्रदीप मीना, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) श्री सुमित ठाकुर सहित अन्य रेल अधिकारी, कर्मचारी, गणमान्य नागरिक एवं प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नाबालिक बच्चों को 'सखी वन सेंटर' पोरबंदर को सुरक्षित सुपुर्द किया गया

दिनांक 25 सितम्बर 2025 को रेल सुरक्षा बल, पोरबंदर पोस्ट पर तैनात सहायक उपनिरीक्षक धर्मेन्द्र चौधरी द्वारा नियमित गश्त के दौरान सवारी गाड़ी संख्या 19208 (राजकोटझ्रपोरबंदर) के आगमन समय प्लेटफॉर्म संख्या 3/4 पर एक नाबालिक लड़की एवं एक नाबालिक लड़का (उम्र लगभग 7-8 वर्ष) संदिग्ध अवस्था में पाए गए।

बच्चों को पोस्ट पर लाकर पूछताछ की गई, किंतु वे बोल नहीं पा रहे थे और केवल इशारों के माध्यम से ही अपनी बात समझा रहे थे, जिससे वे गूंगे प्रतीत हो रहे थे। दोनों बच्चों के पास कोई भी पहचान संबंधी दस्तावेज उपलब्ध नहीं था।

इस संबंध में जिला बाल संरक्षण इकाई (DCPU) पोरबंदर के श्री कमलेश भाई से संपर्क किया गया। उनके मार्गदर्शन अनुसार दोनों बच्चों को सखी वन सेंटर पोरबंदर को सुपुर्द करने की कार्यवाही की गई। सखी वन सेंटर की इंचार्ज राजी बेन द्वारा दोनों बच्चों को आश्रय देने की सहमति दी गई।

आवश्यक औपचारिकताओं एवं कागजी कार्यवाही पूर्ण करने के पश्चात दोनों नाबालिक बच्चों को सुरक्षित रूप से सखी वन सेंटर, पोरबंदर को सुपुर्द किया गया। आगामी सोमवार को दोनों बच्चों को बाल कल्याण समिति (उहउ) पोरबंदर को विधिवत सूचित कर सुपुर्द किया जाएगा।

रेल सुरक्षा बल पोरबंदर द्वारा समय पर की गई कार्रवाई से दोनों नाबालिक बच्चों को सुरक्षित आश्रय मिल सका।

बहुजन समाज पार्टी ने जारी कर दी उम्मीदवारों की पहली लिस्ट, किस सीट से कौन लड़ रहा चुनाव?

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव की सुगबुगाहट तेज हो गई है। जहां एक ओर एनडीए और महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर अभी तक खींचतान चल रही है, वहीं मायावती की बहुजन समाज पार्टी (BSP) ने सबसे पहले अपना दांव खेल दिया है।

बसपा ने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है और तीन उम्मीदवारों के नाम का ऐलान भी कर दिया है। इसी के साथ बीएसपी बिहार चुनाव में सबसे पहले उम्मीदवार उतारने वाली पार्टी बन गई है। आइए जानें पहली लिस्ट में किन तीन उम्मीदवारों के नाम हैं और किसे कहां से टिकट मिला है। पहली लिस्ट में तीन नाम, हर उम्मीदवार की अलग पहचान

बीएसपी की ओर से जो तीन चेहरे पहली लिस्ट में शामिल किए गए हैं, उनमें भभुआ, मोहनियां और रामगढ़ विधानसभा सीटें आती हैं।

◆ भभुआ से लल्लू पटेलः वे इस इलाके से जिला परिषद सदस्य हैं और जमीनी पकड़ मजबूत मानी जाती है।

◆ मोहनियां से ओम प्रकाश दीवानाः भोजपुरी जगत के जाने-माने गायक हैं। उनकी लोकप्रियता को देखते हुए पार्टी ने उन्हें टिकट दिया है।

◆ रामगढ़ से सतीश यादव ऊर्फ पिंटू यादवः पूर्व आरजेडी विधायक अंबिका यादव के बेटे हैं। पिंटू यादव 2022 के उपचुनाव में भी बीएसपी प्रत्याशी रह चुके हैं और महज 1362 वोटों से हार गए थे।

● मायावती का बड़ा ऐलान -'कोई गठबंधन नहीं, अकेले लड़ेंगे चुनाव'

बीएसपी प्रमुख मायावती पहले ही साफ कर चुकी हैं कि उनकी पार्टी इस बार किसी के साथ गठबंधन नहीं करेगी। पार्टी ने ऐलान किया है कि वह बिहार की सभी 243 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी। हाल ही में पार्टी के राष्ट्रीय को-ऑर्डिनेटर आकाश आनंद ने 10 दिन लंबी सर्वजन हिताय जागरूकता यात्रा भी निकाली थी। इसे बीएसपी की चुनावी तैयारियों का आगाज माना जा रहा है।

● बीएसपी का दावा -जनता ऊब चुकी है, अब नया विकल्प चुनेगी

बीएसपी के बिहार प्रभारी अनिल कुमार का कहना है कि बिहार की जनता अब एनडीए और महागठबंधन दोनों से निराश हो चुकी है और एक नए विकल्प की तलाश में है।

उन्होंने बैठक में दावा किया कि "अगली सरकार बिहार में बीएसपी की बनेगी।" बैठक में बीएसपी सांसद रामजी गौतम, प्रदेश प्रभारी सुरेश राव, एनपी अहिरवार, कुणाल विवेक और जिग्नेश जिज्ञासु समेत कई नेताओं ने पार्टी कार्यकताओं को संबोधित किया।

बाढ़ राहत प्रयासों में हर पैसा सहयोग करे, यह सुनिश्चित करने के लिए रंगला पंजाब फंड की स्थापना

(जीएनएस)।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्य में राहत और पुनर्वास प्रयासों को बढ़ाने के उद्देश्य से रंगला पंजाब कोष की स्थापना की घोषणा की। यह पहल पंजाब विधानसभा के एक विशेष सत्र के दौरान पेश की गई, जहां मान ने मुख्यमंत्री राहत कोष की सीमाओं पर प्रकाश डाला, जैसे कि कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (उरफ) योगदान पर प्रतिबंध और संसद सदस्यों के लिए दान की सीमा।

बाढ़ राहत के लिए रंगला पंजाब फंड की घोषणा

मान ने आश्वासन दिया कि रंगला पंजाब कोष में हर योगदान का उपयोग बाढ़ प्रभावित व्यक्तियों के लिए विवेकपूर्ण ढंग से किया जाएगा। उन्होंने विभिन्न सामाजिक वर्गों से सकारात्मक प्रतिक्रिया दर्ज की और धन पर दैनिक अपडेट प्रदान करके पारदर्शिता का वादा किया। यह कोष चेक स्वीकार करता है, और मान इसके अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं। विपक्षी दलों ने मौजूदा मुख्यमंत्री राहत कोष पर इस नए कोष की आवश्यकता पर सवाल उठाया है।

अपने संबोधन के दौरान, मान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घरेलू मुद्दों पर विदेशी यात्राओं को प्राथमिकता देने के लिए आलोचना की, इसे भारतीय नागरिकों की जरूरतों के प्रति असंवेदनशील बताया। उन्होंने तर्क दिया कि इन यात्राओं और केंद्र की विदेश नीति से कोई ठोस लाभ नहीं हुआ है। मान ने कथित मतदान अनियमितताओं को लेकर भाजपा की भी आलोचना की, यह सवाल उठाते हुए कि महाराष्ट्र और हरियाणा जैसे राज्यों में एक साथ चुनाव क्यों नहीं कराए जाते हैं।

मान ने डिजिटल मतदाता हेरफेर पर चिंता व्यक्त की, राज्यसभा सांसद संजय सिंह की पत्नी से जुड़ी एक घटना का उल्लेख किया। उन्होंने इन मतदान मुद्दों को संबोधित करने में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का समर्थन किया, लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए उनके महत्व पर जोर दिया। मान ने आगे दावा किया कि पड़ोसी देशों के साथ भारत के विदेश संबंध तनावपूर्ण हैं, वर्तमान विदेश नीतियों की प्रभावशीलता पर सवाल उठाते हुए।

उन्होंने कनाडा, यूके और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में अप्रवासन विरोधी विरोध प्रदर्शनों का उल्लेख किया, जिसमें हाल ही में 73 वर्षीय सिख महिला हरजीत कौर से जुड़ी एक घटना शामिल है, जिन्हें 30 से अधिक वर्षों तक वहां रहने के बाद अमेरिका से निर्वासित कर दिया गया था। मान ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ मोदी की पिछली दोस्ती पर सवाल उठाया, बढ़ती टैरिफों और पाकिस्तान के लिए कथित समर्थन को चिंता के क्षेत्र के रूप में नोट किया।

पश्चिम रेलवे चलायेगी साबरमती-पटना और राजकोट-बरौनी के बीच फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन

पश्चिम रेलवे द्वारा आगामी दिवाली और छठ पूजा फेस्टिवल सीजन के दौरान यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए साबरमती-पटना और राजकोट-बरौनी के बीच साप्ताहिक फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर चलाने का निर्णय लिया गया है। इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

● ट्रेन संख्या 09427/09428 साबरमती-पटना-साबरमती साप्ताहिक स्पेशल (18 फेरे)

ट्रेन संख्या 09427 साबरमती-पटना स्पेशल 01 अक्टूबर 2025 से 26 नवंबर 2025 तक प्रति बुधवार साबरमती से 18:10 बजे प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन 01:00 बजे पटना पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09428 पटना-साबरमती स्पेशल स्पेशल 03 अक्टूबर 2025 से 28 नवंबर 2025 तक प्रति शुक्रवार पटना से 04:40 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 09:55 बजे साबरमती पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन महेसाणा, पालनपुर, आबूरोड, मारवाड़, अजमेर, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, दौसा, बांदीकुई, भरतपुर, अछनेरा, ईदगाह, टूंडला, इटावा, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, मिजार्पुर,पंडित दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा और दानापुर स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 3-टियर (हमसफर) श्रेणी के कोच रहेंगे।

● ट्रेन संख्या 09569/09570 राजकोट-बरौनी-राजकोट (साप्ताहिक) स्पेशल (18 फेरे)

ट्रेन संख्या 09569 राजकोट-बरौनी स्पेशल 02 अक्टूबर 2025 से 27 नवंबर 2025 तक प्रति गुरुवार राजकोट से 17.00 बजे प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन 05.00 बजे बरौनी पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09570 बरौनी-राजकोट स्पेशल 04 अक्टूबर 2025 से 29 नवंबर 2025 तक प्रति शनिवार बरौनी से 14.40 बजे प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन 04.40 बजे राजकोट पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन वांकानेर, सुरेंद्रनगर, चांदलोडिया-इ, महेसाणा, पालनपुर, आबूरोड, फालना, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, दौसा, बांदीकुई, भरतपुर, ईदगाह, टूंडला, गोविंदपुरी, प्रयागराज, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र,सोनपुर, हाजीपुर और शाहपुर पटोरी स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर और एसी 3-टियर श्रेणी के कोच रहेंगे।

ट्रेन संख्या 09427 और 09569 की बुकिंग 28 सितंबर, 2025 से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

आरपीएफ अहमदाबाद की सतर्कता एवं त्वरित कार्रवाई से महिला यात्री की जान बची और एक संदिग्ध व्यक्ति पकड़ा गया

पश्चिम रेलवे, अहमदाबाद मंडल पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) एवं राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के कर्मचारियों ने अपनी सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से अहमदाबाद स्टेशन पर एक महिला यात्री की जान बचाई तथा एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़कर जीआरपी के हवाले किया।

● महिला यात्री की जान बचाई गई

आरपीएफ एवं जीआरपी कर्मचारी महिला यात्री को बचाते हुए

दिनांक 25 सितम्बर 2025 को अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 1 पर ट्रेन संख्या 16336 नागरकोइलझ्रगांधीधाम एक्सप्रेस से यात्रा कर रही 50 वर्षीय महिला यात्री रूबिना बानो, निवासी गुना, मध्य प्रदेश उतरते समय असंतुलित होकर ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच फंस गईं।

गश्त कर रहे आरपीएफ कांस्टेबल बृजेश कुमार एवं जीआरपी हेड कांस्टेबल दर्शितभाई ने तत्परता और साहस दिखाते हुए महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। यदि यह कार्रवाई समय पर न होती तो महिला को गंभीर चोटें आ सकती थीं और उसकी जान भी खतरे में पड़ सकती थी।

● आरपीएफ ने संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा

आरपीएफ स्टाफ संदिग्ध व्यक्ति को पकड़े हुए

दिनांक 25.09.2025 को प्लेटफार्म संख्या 03 पर नियमित गश्त के दौरान उपनिरीक्षक सोनू कुमार सैनी, कांस्टेबल बृजेश कुमार एवं कांस्टेबल मुकेश ने एक संदिग्ध व्यक्ति को छिपने का प्रयास करते हुए देखा ।उससे पूछताछ की गई, लेकिन वह कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे सका। जांच के दौरान उसके पास से विवो कंपनी का एक मोबाइल फोन बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग ₹10,000/- है। प्राथमिक जाँच में यह आशंका जताई गई कि उक्त मोबाइल फोन किसी यात्री से चोरी हुआ है। संदिग्ध व्यक्ति अपराध करने की नीयत से स्टेशन परिसर में छिपा हुआ था।

उक्त व्यक्ति को विधिवत कार्यवाही हेतु जीआरपी/अहमदाबाद को सुपुर्द कर दिया गया है। आगे की जांच जीआरपी द्वारा की जा रही है।

अहमदाबाद मंडल यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करता है। आरपीएफ एवं जीआरपी के कर्मचारियों द्वारा दिखाई गई सतर्कता, साहस और त्वरित कार्रवाई यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे की विश्वसनीयता का प्रमाण है। इन सराहनीय प्रयासों को प्रेरणादायक माना जाता है तथा भविष्य में भी यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु ऐसे प्रयास लगातार जारी रहेंगे।

पश्चिम रेलवे के चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल स्टेशनोंके बीच 28 सितम्बर, 2025 को जम्बो ब्लॉक

मुंबई, 2

ट्रैक, सिगनलिंग और ओवरहेड उपस्करों के रखरखाव हेतु चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल (लोकल) स्टेशनों के बीच रविवार, 28 सितम्बर, 2025 को अप एवं डाउन धीमी लाइनों पर 10:35 बजे से 15:35 बजे तक पाँच घंटे का जम्बो ब्लॉक लिया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ब्लॉक अवधि के दौरान अप एवं डाउन धीमी लाइन की सभी ट्रेनों को चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल (लोकल) स्टेशनों के बीच फास्ट लाइनों पर चलाया जाएगा।

इस कारण से ब्लॉक के दौरान कुछ उपनगरीय ट्रेनें निरस्त रहेंगी तथा चर्चगेट की कुछ ट्रेनों को बांद्रा/दादर स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट/रीवर्स किया जाएगा। यात्रियों से अनुरोध है कि कृपया उपर्युक्त व्यवस्था को ध्यान में रखकर यात्रा करें।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

बिहार में टिकट बटवारे पर फंस रहे पेंच

एनडीए की तरह महागठबंधन में भी सीटों का पेंच सुलझता नजर नहीं आ रहा है। महागठबंधन में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अलावा कांग्रेस, भाकपा, माकपा, माले, झामुमो, मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पाटा (वीआईंपी) और पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशत्ति पाटा (रालोजपा) शामिल है। बिहार में विधानसभा चुनाव की लड़ाई टिकट बंटवारे पर आकर ठहर गई है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) हो या इंडिया गठबंधन (महागठबंधन) दोनों के सहयोगी दल एक अदद सीट के लिए एक दूसरे के विरोधी बने हुए हैं। ऊपर से दोनों गठबंधनों के नेता भले ही सार्वजनिक रूप से यह दावा करते हैं कि सब ठीकठाक है और सीट बंटवारे की कोई समस्या नहीं है। लेकिन भीतर ही भीतर खींचतान जारी है। बिहार में इस साल नवंबर में विधानसभा चुनाव अपेक्षित है। राज्य में 22 नवंबर से पहले सरकार का गठन जरूरी है, क्योंकि वर्तमान सरकार का कार्यकाल 22 नवंबर को पूरा हो रहा है। पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की बात करते हैं। इस गठबंधन की सबसे बड़ी पाटा भारतीय जनता पाटा (भाजपा) है। वर्तमान विधानसभा में उसके 80 विधायक हैं। दूसरे स्थान पर जनता दल (यूनाईटेड) है। उसके 45 विधायक हैं। तीसरे स्थान पर चिराग पासवान की पाटा लोक जनशत्ति पाटा (रामविलास) है। विधानसभा में लोजपा का कोई विधायक नहीं है, लेकिन पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में उसका स्ट्राइक रेट सबसे अच्छा रहा है। उसे चुनाव लड़ने के लिए वुल पांच सीटें दी गईं थीं और उसने सभी सीटों पर जीत हासिल की थी। चिराग दलित नेता स्व रामविलास पासवान के बेटे हैं और फिलहाल वेंद्रीय सरकार में वैबिनेट मंत्री हैं। चौथे स्थान पर जीतनराम मांझी की पाटा हिन्दुस्तान अवाम मोर्चा (हम) है। विधानसभा में उसके चार विधायक हैं। चिराग की तरह मांझी भी वेंद्रीय सरकार में वैबिनेट मंत्री हैं। गठबंधन में आिखरी पायदान पर उपेन्द्र वुशवाहा की पाटा राष्ट्रीय लोक समता पाटा (रालोमो) है। वुशवाहा पिछले साल लोकसभा का चुनाव हार गए थे। बाद में भाजपा ने अपने कोटे से उन्हें राज्यसभा का सदस्य बनाया है। एनडीए की सबसे बड़ी पाटा होने के कारण भाजपा का दावा इस बार अधिक सीटों पर लड़ने का बनता है। लेकिन मुख्यमंत्री होने और गठबंधन का चेहरा होने के कारण जदयू इस बार भी बराबर सीटों सीटों का दावा कर रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में जदयू 115 सीटों पर लड़ी थी, लेकिन उसे महज 43 सीटों पर जीत मिली थी। तब चिराग पासवान की लोजपा (आर) एनडीए के साथ नहीं थी। उसने चुन-चुनकर जदयू उमीदवारों के खिलाफ प्रत्याशी उतार दिए थे। नतीजतन नीतीश वुमार की जदयू तीसरे स्थान पर खिसक गईं थी। लोजपा (आर) के अधिकांश उम्मीदवार भाजपा के कार्यकर्ता थे और चुनाव परिणाम के बाद धीरे-धीरे भाजपा में शामिल हो गए। नीतीश और जदयू के नेता मन मसोस कर रह गए। इसलिए इस बार सीटों के बंटवारे में जदयू आर-पार के मूड में है। उसकी चाहत तो दोबारा 115 सीटों की है लेकिन भाजपा के लिए भी यह चुनाव करो या मरो सरीखा है। उधर चिराग पासवान 35 से 40 सीटों पर अड़े हुए हैं। इस बीच जीतनराम मांझी ने बता दिया है कि यदि उनकी पाटा को 15-20 से कम सीटें मिली तो वह मजबूर होकर 100 सीटों पर उम्मीदवार उतार देंगे। राष्ट्रीय लोक समता पाटा के सुप्रीमो उपेन्द्र वुशवाहा सीटों की संख्या तो नहीं बताते, लेकिन इतना जरूर कहते हैं कि अगर इस बार भी उन्हें डुबाने की कोशिश की गईं, तो डुबाने वाले भी डूब जाएंगे। वुशवाहा लोकसभा चुनाव में हुईं अपनी करारी हार को अब तक नहीं पचा पाये हैं। एनडीए की तरह महागठबंधन में भी सीटों का पेंच सुलझता नजर नहीं आ रहा है। महागठबंधन में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अलावा कांग्रेस, भाकपा, माकपा, माले, झामुमो, मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पाटा (वीआईंपी) और पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशत्ति पाटा (रालोजपा) शामिल है। इसमें कांग्रेस ने 76 उम्मीदवारों के नामों के साथ अपनी सूची तेजस्वी यादव को सौंप दी है। महागठबंधन पर दबाव बढ़ाने के लिए कांग्रेस ने पटना में आजादी के बाद पहली बार अपनी राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक भी की है। पिछली बार कांग्रेस 70 सीटों पर लड़ी थी जिसमें 19 जीती थी।

कौन है आईएएस अफसर की पत्नी चंपा विश्वास? लालू राज में महीनों तक घर के अंदर होती थी हैवानियत, मोदी ने अब किया याद

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति में जब भी "जंगलराज" का जिक्र होता है, तो उन अंधेरे सालों की कहानियां लोगों की रूह कंपा देती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार 26 सितंबर ही में 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की शुरूआत के दौरान इसी दौर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि लालू यादव के शासन में हालात इतने भयावह थे कि क्अर अफसर से लेकर डॉक्टर तक इसके शिकार हुए और उनकी पत्नियों को तक हैवानियत झेलनी पड़ी।

पीएम मोदी के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर एक बार फिर क्अर अफसर की पत्नी चंपा विश्वास का दर्दनाक किस्सा चर्चा में है। 1990 से 2005 तक का दौर बिहार की राजनीति में अपराध और सत्ता के गठजोड़ का प्रतीक माना जाता है। हत्या, अपहरण, रंगदारी और बलात्कार की घटनाएं इतनी आम हो गई थीं कि लोग इसे "जंगलराज" कहने लगे। इस दौरान सिर्फ आम लोग ही नहीं, बल्कि अफसरों और उनके परिवार तक को निशाना बनाया जाता था। इन्हीं घटनाओं में से एक थी क्अर बीबी विश्वास की पत्नी चंपा विश्वास के साथ हुआ बर्बर अत्याचार।

कौन हैं चंपा विश्वास?

चंपा विश्वास, 1982 बैच के IAS अधिकारी बीबी विश्वास की पत्नी थीं। बीबी विश्वास 1995 में बिहार के समाज कल्याण विभाग में सचिव पद पर कार्यरत थे। ऊंचे पद और प्रतिष्ठा के बावजूद उनके परिवार को जो कुछ सहना पड़ा, वह उस दौर की भयावह तस्वीर पेश करता है।

7 सितंबर 1995 को फ्खऊ विधायक हेमलता यादव ने चंपा विश्वास को अपने घर बुलाया। बताया जाता है कि वहीं हेमलता के बेटे मृत्युंजय यादव ने चंपा के साथ बलात्कार किया। इसके बाद चुप रहने की धमकी दी गई और कहा गया कि अगर उन्होंने किसी से इस बारे में बात की तो उनके पूरे परिवार को गंभीर अंजाम भुगतना होगा।

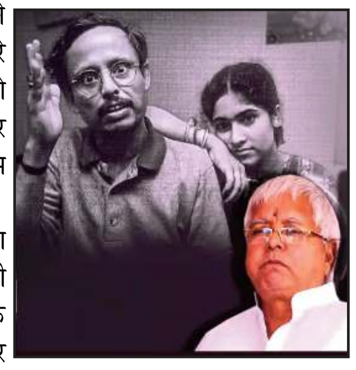

यहीं से चंपा विश्वास की जिंदगी एक अंतहीन डर और पीड़ा में बदल गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगले दो सालों तक उन्हें लगातार यौन उत्पीड़न का शिकार बनाया गया। सिर्फ चंपा ही नहीं, बल्कि उनकी मां, भतीजी और यहां तक कि घरेलू सहायिकाओं को भी निशाना बनाया गया।

न्याय की लड़ाई और राजनीतिक दबाव

जब चंपा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, तो उन्हें मामले को दबाने की सलाह दी गई। लेकिन चंपा चुप नहीं रहीं। उन्होंने बिहार के तत्कालीन राज्यपाल को चिट्ठी लिखकर न्याय की गुहार लगाई। इस पत्र के सामने आने के बाद मामला सुर्खियों में आया और राजनीतिक गलियारों में भूचाल मच गया।

राज्यपाल के हस्तक्षेप के बाद 1997 में मृत्युंजय यादव को गिरफ्तार किया गया। हेमलता यादव कुछ समय तक फरार रहीं, लेकिन आखिरकार उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया।

अदालत का फैसला और निराशा

2002 में पटना की निचली अदालत ने मृत्युंजय यादव को 10 साल की सजा और हेमलता यादव को 3 साल की सजा सुनाई। इस फैसले से चंपा और उनके परिवार को थोड़ी राहत जरूर मिली, लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हुई।

बाद में पटना हाईकोर्ट ने निचली अदालत का फैसला पलट दिया और दोनों को बरी कर दिया। यह फैसला चंपा विश्वास के लिए गहरी निराशा और न्याय व्यवस्था पर सवाल छोड़ गया।

इस पूरे मामले ने चंपा विश्वास की जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी। पति बीबी विश्वास के निधन के बाद वे कोलकाता चली गईं और वहां गुमनाम जिंदगी जीने लगीं। हाल के वर्षों में उनके बारे में कोई सार्वजनिक जानकारी सामने नहीं आई है। वे अब पूरी तरह से सार्वजनिक जीवन से दूर हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में जंगलराज का जिक्र कर यह संदेश देने की कोशिश की कि बिहार में एनडीए सरकार आने के बाद महिलाओं की स्थिति में बड़ा सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित और सशक्त हैं, जबकि लालू राज में हालात बेहद खराब थे।

चंपा विश्वास की कहानी सिर्फ एक महिला की त्रासदी नहीं है, बल्कि उस दौर के बिहार की भयावह हकीकत की झलक भी है। यह याद दिलाती है कि सत्ता और अपराध के गठजोड़ ने कैसे प्रशासन को खोखला कर दिया था। आज जब यह किस्सा फिर से चर्चा में है, तो यह बिहार की राजनीति और समाज दोनों के लिए एक कड़वी याद बनकर सामने आता है।

'मुस्लमानों की आस्था अधूरी है', आईलव मोहम्मद ववाद पर ओवैसी का तीखा बयान

(जीएनएस)।

देश में चल रहे I Love Muhammad पोस्टर को लेकर चल रहे विवाद पर अक्टक्ट अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने शुक्रवार, 26 सितंबर को तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर किसी की आस्था के इस तरह के भाव को इतना खतरा क्यों माना जा रहा है।

ओवैसी ने मीडिया से कहा, "अगर कोई 'I Love Muhammad' ग्रुप बना सकता है, तो इसमें समस्या क्या है? इसमें कौन-सी हिंसा प्रोत्साहित हो रही है? अगर शब्द है 'प्यार', तो किसे परेशानी है? मुझे लगता है कि इन लोगों के लिए मुगल-ए-आजम का 'मोहब्बत ज़िंदाबाद' गाना चलना चाहिए। अगर 'हैप्पी बर्थडे पीएम मोदी' पोस्टर चल सकता है, तो 'I Love Muhammad' पोस्टर क्यों नहीं?"

धर्म की स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकार

ओवैसी ने संविधान के अनुच्छेद 25 का हवाला देते हुए कहा कि धर्म की स्वतंत्रता हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। उन्होंने कहा, "इसमें कौन-सी बात देशद्रोही है? किस बात से हिंसा बढ़ती है? ... एक मुसलमान की आस्था तब पूरी होती है जब वह पैगंबर मोहम्मद से दुनिया की हर चीज से ज्यादा प्यार करता है। आप इस पर आपत्ति जताकर दुनिया को क्या संदेश दे रहे हैं?"

AIMIM नेता ने उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना भी की और आरोप लगाया कि यहां चुनिंदा प्रतिबंध लागू किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, "यूपी में ADGP कह रहे हैं कि नए पोस्टर नहीं लगाए जाएंगे। लेकिन 'हैप्पी बर्थडे प्रधानमंत्री' या 'हैप्पी बर्थडे मुख्यमंत्री' के लिए अनुमति दी जाएगी। फिर कानून बना दें कि इस देश में कोई भी 'प्यार' के बारे में नहीं बोल सकता।"

कैसे शुरू हुआ ये विवाद?

यह विवाद 9 सितंबर को शुरू हुआ, जब कानपुर पुलिस ने 4 सितंबर को बरावफत जुलूस के दौरान सड़क पर "I Love Mohammad" बोर्ड लगाने के आरोप में नौ लोगों और 15 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। कुछ हिंदू समूहों ने इसे "नई प्रवृत्ति" और जानबूझकर उत्तेजना फैलाने वाला कदम बताया।

वहीं ओवैसी ने सोशल मीडिया पर पोस्टरों का समर्थन करते हुए कहा कि "I Love Muhammad कहना कोई अपराध नहीं है।" उनके इस बयान ने मामले को और व्यापक ध्यान दिलाया।

उमर अब्दुल्ला ने भी दिया समर्थन

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी इस मामले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि तीन साधारण शब्दों-"I Love Muhammad"-को अवैध ठहराना अजीब है। उन्होंने कहा, "किसे इस पर आपत्ति हो सकती है? इसे लेकर एफआईआर दर्ज करना मानसिक रूप से अस्वस्थ होना चाहिए। मैं चाहता हूं कि अदालत इसे जल्दी ठीक करे।"

उमर अब्दुल्ला ने धर्म विशेष से जुड़े होने के बावजूद कहा कि किसी को यह आपत्ति नहीं होनी चाहिए। "क्या अन्य धर्मों के लोग अपने गुरुओं या देवी-देवताओं के बारे में लिखते नहीं हैं? हमारे सिख भाई-बहन अपने गुरुओं के बारे में लिखते हैं। हमारे हिंदू भाई-बहन अपने देवी-देवताओं के बारे में लिखते हैं। अगर यह गैरकानूनी नहीं है, तो यह क्यों हो?"

यह विवाद एक बार फिर यह सवाल उठा रहा है कि धार्मिक आस्था के निजी भावों पर किस तरह की सीमाएँ लगाई जाएँ। ओवैसी और अब्दुल्ला दोनों ने स्पष्ट किया कि प्यार और आस्था को अपराध या हिंसा से जोड़कर देखना ठीक नहीं है। मामला न केवल कानपुर या उत्तर प्रदेश तक सीमित है, बल्कि देश भर में धार्मिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की सीमा पर बहस को नई दिशा दे रहा है।

सोनम जोधपुर जेल के हाई-सिक्योरिटी वार्ड में क्यों शिफ्ट? 24 घंटे पैनी नजर!

(जीएनएस)। लद्दाख में स्टेटहुड और छठी अनुसूची की मांग को लेकर भड़की हिंसा के बाद मशहूर पर्यावरणविद् और शिक्षाविद् सोनम वांगचुक को 26 सितंबर 2025 को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद उन्हें लद्दाख के लेह से विशेष विमान से राजस्थान के जोधपुर सेंट्रल जेल शिफ्ट किया गया।

हाई-सिक्योरिटी वार्ड में रखे गए वांगचुक की 24 घंटे CCTV निगरानी हो रही है। लेह में इंटरनेट बंद और कर्फ्यू के बीच उनकी गिरफ्तारी ने सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। आखिर क्यों सोनम वांगचुक को जोधपुर जेल शिफ्ट किया गया? 7 पॉइंट्स में समझते हैं, पूरा माजरा...

26 सितंबर 2025 को लद्दाख पुलिस ने लेह के उल्याकटोपो गांव से सोनम वांगचुक को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम की अगुवाई उत्र्क्ष्ठ र.ऊ जमवाल ने की। औपचारिकताओं के बाद वांगचुक को विशेष विमान से जोधपुर सेंट्रल जेल ले जाया गया। जेल में विशेष तैयारी की गई थी, और उन्हें हाई-सिक्योरिटी वार्ड में रखा गया, जहां 24x7 CCTV और भारी सुरक्षा है। जोधपुर पहुंचने पर उनकी मेडिकल जांच की गई।

वांगचुक पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) लगाया गया, जो बिना जमानत के 12 महीने तक हिरासत की अनुमति देता है। हिरासत का कारण बताना जरूरी है, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया। गृह मंत्रालय (MHA) ने दावा किया कि वांगचुक के 'उकसावे वाले बयानों' ने 24 सितंबर को लेह में हिंसा भड़काई, जिसमें 4 लोग मारे गए और 90 घायल हुए।

24 सितंबर की घटना है। लेह में स्टेटहुड और छठी अनुसूची की मांग को लेकर प्रदर्शन हिंसक हो गया। प्रदर्शनकारियों ने BJP ऑफिस और पुलिस वाहन पर हमला किया, जिसके जवाब में पुलिस ने आंसू गैस और फायरिंग का इस्तेमाल किया। चार लोगों की मौत और 90 लोग घायल हुए। हिंसा का तात्कालिक कारण दो अनशनकारियों की बिगड़ती हालत थी। लेह में कर्फ्यू और मोबाइल इंटरनेट बंद है। इठर (भारतीय न्याय संहिता) की धारा 163 के तहत 4 से ज्यादा लोगों के जुटने पर रोक है।

वांगचुक ने 10 सितंबर से लेह एपेक्स बॉडी (LAB) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (KDA) के साथ 35 दिन की भूख हड़ताल शुरू की थी। मांग थी- लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल करना। हिंसा के बाद वांगचुक ने 24 सितंबर को अनशन खत्म किया और शांति की अपील की। उन्होंने हिंसा की निंदा की और कहा, 'मैं इसका हिस्सा नहीं था।' वित्तीय अनियमितताएं, जैसे गलत खातों में विदेशी फंड जमा करना और 6.5 करोड़ रुपये का दुरुपयोग। वांगचुक ने कहा, 'मैंने कोई विदेशी फंड नहीं लिया। मेरे निजी पैसे संस्थान में लगाए हैं।'

वांगचुक की पत्नी गितांजलि अंगमो ने कहा, 'सोनम को बिना कारण अपराधी की तरह ट्रीट किया गया। पुलिस ने हमारे घर में तोड़फोड़ की। यह सरकार की छवि खराब करने की साजिश है।' गितांजलि ने दावा किया कि वांगचुक ने हिंसा को रोका और शांति की अपील की थी।

अरविंद केजरीवाल (AAP): केजरीवाल ने इसे 'तानाशाही का चरम' बताया और कहा, 'रावण, कंस और हिटलर का अंत भी हुआ।'

उमर अब्दुल्ला (J&K CM): अब्दुल्ला ने गिरफ्तारी को 'दुर्भाग्यपूर्ण' बताया और केंद्र पर 2020 के वादों से मुकरने का आरोप लगाया।

जयराम रमेश (कांग्रेस): रमेश ने इसे 'ध्यान भटकाने की चाल' बताया।

तेज प्रताप की नई पार्टी 'जनशक्ति जनता दल': पोस्टर में लालू-राबड़ी गायब! क्या भाई तेजस्वी का बढ़ाएंगे सिरदर्द

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति में एक और बड़ा मोड़ आ गया है। चुनाव की तारीखें अभी कुछ ही दिनों में घोषित होने वाली हैं और उससे पहले ही लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने अपनी नई पार्टी का ऐलान करके सबको चौंका दिया है। पार्टी का नाम रखा गया है-जनशक्ति जनता दल लेकिन इस ऐलान से ज्यादा चर्चा जिस बात की हो रही है, वो है पार्टी के पोस्टर में लालू-राबड़ी की गैरमौजूदगी।

पोस्टर में जहां महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर, कपूर्री ठाकुर, लोहिया और जयप्रकाश नारायण जैसे दिग्गजों की तस्वीरें लगी हैं, वहीं पिता लालू यादव और मां राबड़ी देवी का चेहरा कहीं नजर नहीं आता। तो क्या तेज प्रताप अब वाकई अपनी अलग राजनीतिक पहचान बनाने में जुट गए हैं? और क्या उनका ये कदम सीधे-सीधे छोटे भाई तेजस्वी यादव की मुश्किलें बढ़ाने वाला है? आइए, पूरी कहानी समझते हैं।

लालू-राबड़ी का पोस्टर से गायब होना, संदेश बड़ा है

तेज प्रताप यादव जब भी चर्चा में आते हैं, तो अक्सर अपने बयान और बगावती तेवरों की वजह से। लेकिन इस बार उन्होंने जो किया है, वह सिर्फ एक इत्तेफाक नहीं बल्कि एक बड़ा राजनीतिक संदेश है। नई पार्टी के पोस्टर में लालू-राबड़ी की तस्वीर न रखना साफ दिखाता है कि अब तेजप्रताप खुद को परिवार और खासकर तेजस्वी यादव से अलग कर चुके हैं।

दरअसल, कुछ समय पहले ही लालू प्रसाद यादव ने तेजप्रताप को फ्खऊ से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया था। यही नहीं, परिवार के अंदर भी तेजप्रताप को लगभग बेदखल कर दिया गया। ऐसे में, नई पार्टी का जन्म कहीं न कहीं उसी नाराजगी और अलगाव का नतीजा माना जा रहा है।

'ब्लैकबोर्ड' पर लिखेंगे नया राजनीतिक समीकरण

तेजप्रताप की पार्टी का चुनाव चिन्ह ब्लैकबोर्ड रखा गया है। इसके जरिए वो यह संदेश देना चाहते हैं कि बिहार की राजनीति को अब नए सिरे से पढ़ाने और समझाने का वक्त आ गया है।

पार्टी ने नारा दिया है- "सामाजिक न्याय, सामाजिक हक और संपूर्ण बदलाव"। यह वही मुद्दे हैं, जिन पर कभी फ्खऊ ने अपनी मजबूत पकड़ बनाई थी। लेकिन फर्क सिर्फ इतना है कि अब ये बातें तेज प्रताप अपने अंदाज में कह रहे हैं। और उनका यही अंदाज फ्खऊ के लिए सिरदर्द बन सकता है।

तेजस्वी यादव की मुश्किलें कैसे बढ़ाएंगे तेजप्रताप?

बिहार चुनाव में सबसे बड़ा फायदा विपक्षी दलों को तब मिलता है, जब वोटों का बिखराव हो। तेज प्रताप यादव भले ही संगठन और चुनावी नेटवर्क के मामले में अभी कमजोर हों, लेकिन उनका नाम और यादव समाज पर उनकी पकड़ इतनी जरूर है कि वो फ्खऊ के वोट बैंक में सेंध लगा सकते हैं।

खासतौर पर, जिन इलाकों में यादव और अल्पसंख्यक वोट मिलकर फ्खऊ की ताकत बनते हैं, वहां तेज प्रताप अगर अलग उम्मीदवार खड़े करेंगे तो सीधा नुकसान तेजस्वी यादव को होगा। यानी यह कहना गलत नहीं होगा कि तेजप्रताप का चुनाव लड़ना, विपक्षी ठऊ्र के लिए फायदेमंद और फ्खऊ के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है।

पिता लालू का हमला और ठऊ्र पर निशाना

तेज प्रताप के नई पार्टी बनाने के ऐलान के बीच ही लालू यादव ने भी बयान जारी कर दिया। उन्होंने कहा- "पिछले 20 सालों की निर्दयी ठऊ्र सरकार ने किसानों को रुला दिया है। अब इस सरकार को बदलने का वक्त आ गया है।" लालू की यह अपील विपक्षी एकजुटता की ओर इशारा करती है, लेकिन सवाल यह है कि जब घर के अंदर ही बगावत हो रही है, तो क्या बाहर ठऊ्र को हराना और भी मुश्किल नहीं हो जाएगा?

परिवार और राजनीति, दोनों से दूरी

तेज प्रताप यादव की कहानी सिर्फ राजनीति की बगावत नहीं बल्कि परिवारिक दूरी की भी दास्तान है। लालू यादव ने खुद अपने बड़े बेटे को सिर्फ पार्टी से ही नहीं बल्कि घर से भी बाहर का रास्ता दिखा दिया। यह कदम साफ करता है कि अब तेजस्वी ही लालू की राजनीतिक विरासत के असली वारिस माने जा रहे हैं। लेकिन तेज प्रताप को यह स्वीकार नहीं, और शायद इसी वजह से उन्होंने अब अपने दम पर मैदान में उतरने का फैसला किया है।

आगे क्या?

बिहार चुनाव में तेज प्रताप की पार्टी कितना करिश्मा दिखा पाएगी, यह कहना अभी जल्दबाजी होगी। लेकिन इतना जरूर है कि उनकी मौजूदगी से फ्खऊ के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है। अगर तेज प्रताप ने यादव वोटों का थोड़ा भी हिस्सा अपनी ओर खींच लिया, तो यह सीधे-सीधे ठऊ्र को फायदा पहुंचाएगा। और यही बात छोटे भाई तेजस्वी यादव के लिए सबसे बड़ी चिंता की वजह बनेगी।

तेज प्रताप यादव का यह कदम ना सिर्फ पारिवारिक रिश्तों की खटास को दिखाता है बल्कि बिहार की राजनीति में एक नया समीकरण भी खड़ा करता है। आगे का चुनावी नतीजा चाहे जो हो, लेकिन एक बात तय है-इस बार मुकाबला सिर्फ ठऊ्र बनाम फ्खऊ का नहीं होगा, बल्कि भाई बनाम भाई की जंग भी सुर्खियों में रहेगी।

क्या है खंडवा कब्रिस्तान कांड, महिलाओं की कब्रें खोदकर शवों से छेड़छाड़ का आरोपी अय्यूब खान

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसने पूरी मानवता को शर्मसार कर दिया। यहां के बड़े कब्रिस्तान में हाल ही में दफनाई गई महिलाओं की कब्रें खोदकर उनके शवों के साथ घिनौनी छेड़छाड़ करने का मामला प्रकाश में आया। आरोपी अय्यूब खान (50 वर्ष), जो अपनी दो पत्नियों की हत्या का दोषी रह चुका है, को कोतवाली पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया।

लेकिन गिरफ्तारी के बाद गुरुवार दोपहर जब पुलिस फावड़े को जब्त करने के लिए आरोपी को कब्रिस्तान लेकर पहुंची, तो आक्रोशित भीड़ ने हंगामा मचा दिया। लोगों ने आरोपी को घेर लिया, पीटने की कोशिश की और 'गोली मारो हैवान को, फांसी दो' के नारे लगाए। किसी तरह पुलिस ने भीड़ को संभाला और आरोपी को सुरक्षित बाहर निकाला। यह घटना न केवल स्थानीय स्तर पर सनसनी फैला रही है, बल्कि सोशल मीडिया पर भी बहस छेड़ चुकी है।

यह कांड 21 सितंबर 2025 को तब उजागर हुआ, जब बड़े कब्रिस्तान में दफनाई गई दो महिलाओं के परिजन धार्मिक रस्में (दुआ-फातिहा) के लिए पहुंचे। वहां कब्रें खुली मिलीं और एक महिला शव के पैर वाले हिस्से से कपड़े अस्त-व्यस्त पाए गए। परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। जांच में पता चला कि यह कोई सामान्य घटना नहीं, बल्कि सुनियोजित अपराध था। आरोपी अय्यूब खान दिन के समय कब्रिस्तान की रेकी करता, ताजा महिलाओं की कब्रें चिह्नित कर लेता और अमावस्या की अंधेरी रातों में फावड़े से कब्रें खोदता। वह कब्र में उतरकर शवों के बाल काटता और तांत्रिक क्रिया के नाम पर छेड़छाड़ करता। पूछताछ में उसने कबूल किया कि वह अपनी 'जिस्मानी और रूहानी ताकत' बढ़ाने के लिए ऐसा करता था।

पुलिस जांच के अनुसार, यह पहली घटना नहीं थी। 19 मई 2025 को बड़े कब्रिस्तान और सिहाड़ा कब्रिस्तान में छह कब्रों के साथ छेड़छाड़ हुई थी। वहीं, 17 मई को मोघट कब्रिस्तान में भी इसी तरह की वारदात का शिकार हुईं दो ताजा कब्रें। कुल मिलाकर, आरोपी ने तीन से अधिक कब्रों के साथ अपराध किया। खास बात यह है कि अय्यूब ने अमावस्या का दिन इसलिए चुना, ताकि संदेह हिंदू तांत्रिकों पर जाए। खंडवा एसपी मनोज कुमार राय ने बताया, "आरोपी ने कब्र की मिट्टी हाथों से या फावड़े से हटाई, फिर शव पर पैरों की तरफ से छेड़छाड़ की। सीसीटीवी में उसकी करतूत कैद हो गई।"

ऋषभ शेट्टी की कांतारा: चैप्टर 1 की एडवांस बुकिंग शुरू

(जीएनएस)।

ऋषभ शेट्टी स्टारर होम्बले फिल्म्स की कांतारा: चैप्टर 1 का ट्रेलर रिलीज हुआ और इसने नए रिकॉर्ड बना दिए। ये फिल्म एक ऐसा सिनेमाई अनुभव दिखाने की राह तैयार की है जो बिल्कुल अलग है। ऐसे में अब जब फिल्म अपनी रिलीज के करीब है, तब मेकर्स ने इसकी एडवांस बुकिंग शुरू कर दी है, जिसके लिए उन्हें जबरदस्त रिस्पॉन्स देखने मिल रहा है।

इंतजार आखिरकार खत्म हुआ, कांतारा: चैप्टर 1 की एडवांस बुकिंग अब कर्नाटक और अमेरिका में शुरू हो गई है। रिस्पॉन्स जबरदस्त रही है, जो पहले कभी नहीं देखी गई। दर्शक इस शानदार सिनेमाई अनुभव के लिए अपनी सीटें बुक करने दौड़ पड़े हैं, और बॉक्स ऑफिस पर इस दीवानगी के साथ, फिल्म अपनी भव्य ओपनिंग के साथ रिकॉर्ड तोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है।

कांतारा: चैप्टर 1 होम्बले फिल्म्स की सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। इस फिल्म की क्रिएटिव टीम में म्यूजिक डायरेक्टर बी. अजनीश लोकनाथ, सिनेमैटोग्राफर अरविंद कश्यप और प्रोडक्शन डिजाइनर विनेश बंग्लान शामिल हैं, जिन्होंने मिलकर फिल्म की दमदार विजुअल और भावनात्मक कहानी को आकार दिया है।

इसके अलावा, होम्बले फिल्म्स 2022 की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म की विरासत को आगे ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। मेकर्स ने 'कांतारा: चैप्टर 1' के लिए नेशनल और इंटरनेशनल स्पेशलिस्ट के साथ एक बड़ा वॉर सीक्वेंस तैयार किया है, जिसमें 500 से ज्यादा कुशल फाइटर्स और 3,000 लोग शामिल हैं। यह सीक्वेंस 25 एकड़ में फैले एक पूरे शहर में, ऊबड़-खाबड़ इलाके में 45-50 दिनों के दौरान फिल्माया गया था, जो इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे बड़े सीक्वेंसेज में से एक बनाता है।

यह फिल्म 2 अक्टूबर को दुनिया भर में कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, मलयालम, तमिल, बंगाली और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज होगी। यह अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए भी अलग-अलग भाषाओं और क्षेत्रों के दर्शकों तक पहुँचेगी।

फर्जी रजिस्ट्री दिखाकर दलित की बाउंड्री निर्माण कार्य को दबंगों ने तोड़ा।

(जीएनएस)। लखनऊ पारा कोतवाली क्षेत्र में बाउंड्री वॉल करवा रहे लक्ष्मण ने बताया 2004 में मेरी मां रामरति ने 1600 स्क्वायर फीट प्लाट पारा कोतवाली क्षेत्र अर्जुन विहार में खरीदा था जिसकी बाउंड्री दबंगों तोड़ दी पीड़ित का आरोप है कि हमने जो रजिस्ट्री कराई है उसका खसरा संख्या 958 है जिसपर मेरा पहले से कब्जा भी था।विपक्षी ने प्लाट खसरा संख्या 860 में खरीदा था और मेरे प्लाट में जबरन कब्जा कर रहे है जोकि 958 खसरा है जबकि दोनों प्लाट का खसरा संख्या अलग अलग। मेरे द्वारा कराई जा रही नई बाउंड्री को विपक्षियों ने तोड़ दिया और जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग निकले बोले निर्माण कार्य कराओगे तो जान से हाथ धोना पड़ेगा।पीड़ित ने बताया कि विपक्षी दबंग लोग हैं मना करने पर मारपीट पर आमादा हो जाते हैं पीड़ित ने दबंगों से परेशान होकर इस संबंध में पीड़ित ने पारा कोतवाली लिखित शिकायती दिया पीड़ित का आरोप कोई कार्यवाही नहीं हुई वही लखनऊ जिला अधिकारी को लिखित प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही की मांग की जहां पीड़ित को आश्वासन मिला की कार्यवाही की जाएगी।

शहर कांग्रेस कमेटी बिजनौर द्वारा पुलिस अधीक्षक एवं डी एम को निम्न मांगों को लेकर दिया ज्ञापन।

(जीएनएस)। बिजनौर। आज सुबह से ही जिले व शहर भर के कांग्रेस कार्यकर्ता जिला कांग्रेस कार्यालय पर इकट्ठा होना शुरू हो गए। जब कांग्रेस कार्यकर्ता जिला कांग्रेस कार्यालय से शहर अध्यक्ष हुमायूं बेग के नेतृत्व में इकट्ठा होकर जिला कांग्रेस कार्यालय से बाहर निकले कार्यालय से बाहर निकलते ही पहले से ही वहां पर मौजूद भारी पुलिस बल ने कार्यकर्ताओं को रोक लिया कांग्रेस कार्यकर्ता पुलिस को समझाने लगे कि हमें जिलाधिकारी बिजनौर को ज्ञापन देना है जो हम शांतिपूर्वक तरीके से जाकर देना चाहते हैं हमें जाने दिया जाए लेकिन पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं की नहीं सुनी और कार्यकर्ताओं को ज्ञापन देने नहीं जाने दिया इसके विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ता जाने की जिद पर एड गए इसके विरोध में पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की काफी जद्दो जहद के साथ धक्का मुक्की हुई लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ता अपनी जिद पर अड़े रहे और कांग्रेस कार्यालय के बाहरी सड़क पर धरना देकर बैठ गए। इधर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की इसी दौरान एक सुनियोजित रणनीति के तहत दूसरे रास्ते से तमाम कार्यकर्ताओं को साथ लेकर कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्रीमती हेनरीता राजीव सिंह ने जिलाधिकारी बिजनौर पहुंचकर ज्ञापन सौंप दिया ज्ञापन में मांग की गई की दिनांक 23.9.2025 को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर 25 कार्यकर्ताओं का एक प्रतिनिधिमंडल नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र में पिछले दिनों गुलदार के हमले से मरने वालों के घर पर जाकर उनके परिजनों से घटना की जानकारी लेता जिसे पुलिस ने दिनांक 22-9- 2025 की रात्रि से ही लिस्ट में सम्मिलित कार्यकर्ताओं के घरों पर जाकर उन्हें हाउस अरेस्ट करने की शुरूआत कर दी थी और प्रतिनिधि मंडल को बाघ के हमले से मरने वालों के परिजनों से मिलने नहीं जाने दिया गया जिला अध्यक्ष श्रीमती हेनिता राजीव के यहां जो पुलिस बल तैनात किया गया उसमें से एक सब इंस्पेक्टर ने जिला अध्यक्ष की वृद्धा सासू मां पूर्व विधायक पूर्व सांसद पूर्व मंत्री श्रीमती ओमवती देवी से बदसलूकी की और अभद्र व्यवहार किया जो संवैधानिक और सीधे-सीधे लोकतंत्र की हत्या को उजागर करता है। जिसकी वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रही है उपरोक्त सब इंस्पेक्टर के के निलंबन की मांग को लेकर ज्ञापन दिया गया ताकि भविष्य में कोई और पुलिसकर्मी कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ अनावश्यक अभद्र व्यवहार नही कर सके।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस कार्यालय पर धरना देने वाले शहर अध्यक्ष हुमायूं बेग, पीसीसी सदस्य नजाकत अल्वी, जिला उपाध्यक्ष विनोद तोमर, जिला महासचिव मीनू गोयल, इंतखाब जैदी एडवोकेट, शहर उपाध्यक्ष शारिक अली, गुलसिताब एड., मो. हनीफ, जफर हसनैन, मो. खालिद, नदीमुद्दीन, समीर एड. कामरून्निसा, शूरवीर सिंह राकीब आलम, रामपाल सिंह, कलीराम, अनूप सिंह, काजी आतिफ अली, रमीज राजा, मो. फैज, अरशद शेख, जुनैद, राकेश शर्मा, एम अकरम खां, सैयद जहांगीर जैदी, साबिर अंसारी, फरीद खान एडवोकेट, अनिल त्यागी, इंतेखाब जैदी, रियासत अंसारी, अजीम अंसारी, सरदार गुरमुख सिंह दीवान, कुमारी शाजिया परवीन एड०, हाफिज सदन, शेख वालीउल्लाह, अब्दुल समद आजाद, , जेद बेग एड०, आदि कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे, पुलिस अधीक्षक जी को ज्ञापन देने वाले श्रीमति हैंन रीता राजीव सिंह, पूर्व मंत्री ओमवती देवी, रिटायर्ड आई ए एस आरके सिंह, हुकम सिंह, वरिष्ठ पदाधिकारी अहसन जमील स्योहारा, अशरफ अंसारी, निजामुद्दीन, जफर मलिक, जावेद अंसारी, वसीम अकरम एड०, गुलशन कुमार, जसराम सिंह, तिरलोक चंद शर्मा, मीनाक्षी, हिमांशु देवरा, हरि सिंह सागर, डा०असरफ, हाजी नसीम अंसारी, मिस बाबुल हसन, प्रदीप ठाकुर, हाजी अहसान अंसारी, नदीम नजाकत खाँ, असलम अंसारी, विश्व मोहन सिंह, शेख अंजार अहमद, सुरेंद्र बाल्मीकि, सुमन, रकीब आलम, पीयूष त्रिपाठी, नईम फरीदी, अजहत मंसुरी एड०आदि कांग्रेस जन मौजूद रहें।

बीएमसी चुनाव में एकनाथ शिंदे और अजित पवार संग मिलकर महायुति जीतेगी कितने सीटें? मुंबई बीजेपी चीफ ने बताए आंकड़े

(जीएनएस)। मुंबई : महाराष्ट्र में नगर निगम चुनावों से पहले, भाजपा मुंबई अध्यक्ष अमित साटम ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी को एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी के साथ गठबंधन में निकाय चुनाव लड़ेगी। इस चुनाव में उन्हें मुंबई में 150 से ज्यादा सीटें जीतने का भरोसा है।अमित ने कहा कि सीटों के बंटवारे पर बातचीत आरक्षण लॉटरी पूरी होने के बाद ही शुरू होगी, लेकिन उनके निर्वाचन क्षेत्रवार विश्लेषण से पता चलता है कि महायुति देश के सबसे अमीर नगर निकाय पर नियंत्रण पाने के लिए अच्छी स्थिति में है।सीट बंटवारे पर क्या कहा

साटम ने कहा कि सीटों का अंतिम बंटवारा जमीनी आकलन पर निर्भर करेगा, लेकिन भाजपा के पास शहर को उसका हक दिलाने के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण है। साटम ने कहा कि वार्ड-दर-वार्ड विश्लेषण के आधार पर, जो हमने सभी पहलुओं पर विचार करके किया है, हमें 150 से ज्यादा सीटें जीतने का भरोसा है।सीटों पर अभी बात नहीं

बीजेपी मुंबई के अध्यक्ष ने कहा कि हमने अभी तक सीटों के बंटवारे पर बातचीत शुरू नहीं की है, लेकिन आरक्षण लॉटरी पूरी होने के बाद ही ऐसा करना सही होगा। हमें लगता है कि मुंबई एक निश्चित और स्पष्ट दृष्टिकोण से नेतृत्व करने में चूक गई है, जिसे हम देने की स्थिति में हैं।

ठाकरे ब्रदर्स के गठबंधन पर क्या बोले अमितराज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के बीच संभावित गठबंधन पर, अमित साटम ने कहा कि वे साथ आ सकते थे, लेकिन इसका जमीनी स्तर पर कोई असर नहीं पड़ा है। मराठी मानुष जानता है कि असली काम किसने किया है और वह महायुति को वोट देगा। विकास, सुरक्षा और मुंबई के लिए एक विजन हमारा मुख्य उद्देश्य होगा।

गोरेगांव दिंडोशी और नागरी निवारा परिषद क्षेत्र में चलेंगी बड़ी बेस्ट बसें

(जीएनएस)। दिंडोशी बेस्ट के माध्यम से बड़ी बेस्ट बसें चलाई जाएँगी। नागरी निवार से मंत्री पार्क तक चलने वाली इन बसों से सैकड़ों यात्रियों को लाभ होगा। शिवसेना नेता विधायक सुनील प्रभु ने इसके लिए बेस्ट से संपर्क किया।इस निर्णय के परिणामस्वरूप, इस मार्ग पर 13 अतिरिक्त पारंपरिक बस चलेंगी।

मुंबई (जीएनएस)। फिलहाल चलती है 5 बसें

वर्तमान में, गोरेगांव स्टेशन से नागरी निवार 1 और 2 तक बस मार्ग 646 पर पाँच बस चलती हैं। जबकि चार बस मार्ग 327 (गोरेगांव स्टेशन से शिवशाही परियोजना, मंत्री पार्क) के लिए और चार बस मार्ग 346 के लिए आरक्षित हैं। मार्ग पर यात्रियों की संख्या अधिक इस मार्ग पर यात्रियों की संख्या अधिक है, और चूँकि छोटी बस छोटी हैं, इसलिए यात्रियों की संख्या में देरी होती है। इस पृष्ठभूमि में, सुनील प्रभु ने तत्कालीन बेस्ट महाप्रबंधक अनिल डिग्गीकर, श्रीनिवासन से बार-बार संपर्क किया। विधायक सुनील प्रभु ने आज इसके कारण आने वाली बस का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर पूर्व उप महापौर एडवोकेट सुहास वाडकर, पूर्व निर्माण समिति अध्यक्ष तुलसीराम शिंदे, बेस्ट प्रशासन अधिकारी निनाद शिरोडकर, कनिष्ठ अभियंता अनिल यमगर उपस्थित थे।

गड्ढों को तुरंत भरने की मांग

प्रभु ने यह भी चेतावनी दी कि गोरेगांव स्टेशन डिपो में बड़ी संख्या में गड्ढों को तुरंत भरा जाए, अन्यथा कड़ा धरना दिया जाएगा। साथ ही, डिपो क्षेत्र में पर्याप्त रोशनी नहीं है। इसलिए बंद पड़ी बिजली की लाइटों को तुरंत चालू किया जाए। विधायक प्रभु ने यात्री स्टॉप की मरम्मत के भी निर्देश दिए।

हेरिटेज वॉक फॉर टूरिज्म एंड सस्टेनेबल ट्रांसफॉर्मेशन पर पद यात्रा निकाली गई जिसको हरी झंडी मुख्य अतिथि अशोक तिवार जी महापौर वाराणसी ने दिखा कर आरंभ कराया

27 सितंबर विश्व पर्यटन दिवस के शुभ अवसर की पूर्व संध्या पर वाराणसी टूरिज्म एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम।

(जीएनएस)। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर वाराणसी टूरिज्म एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सर्व प्रथम नदेसर पैलेस होटल ताज में शाम 4.30 बजे हेरिटेज वॉक फॉर टूरिज्म एंड सस्टेनेबल ट्रांसफॉर्मेशन पर पद यात्रा निकाली गई जिसको हरी झंडी मुख्य अतिथि अशोक तिवार जी महापौर वाराणसी ने दिखा कर आरंभ कराया इस पद यात्रा में होटल नदेसर पैलेस के अति प्राचीन धरोहरों के बारे में अमित टंडन व गाइड अखिलेश मौर्य द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई। नदेसर पैलेस का इतिहास 1782 में निर्मित एक इमारत से शुरू होता है जिसे 19वीं सदी में बनारस के महाराजा ने अधिग्रहित किया था और 1835 से यह राजघरानों और राजनेताओं का निवास स्थल बन गया।देवी नदेसरी के नाम पर बना यह महल विशाल उद्यानों में स्थित है और अब ताज होटल्स समूह नदेसर पैलेस के अंतर्गत एक आलीशान होटल है। इस महल में विरासत वास्तुकला शाही चित्र और शाही संग्रह से कलाकृतियां प्रदर्शित हैं। प्रमुख ऐतिहासिक पहलू निर्माण और शाही अधिग्रहणः इस महल का निर्माण 1782 में हुआ था और बाद में 19वीं शताब्दी में बनारस के महाराजा प्रभु नारायण सिंह ने इसे अधिग्रहित कर लिया। नाम की उत्पत्तिः इसका नाम देवी नदेसरी के नाम पर रखा गया है जिनका मंदिर महल के सामने स्थित है। ऐतिहासिक भूमिकाः 1835 से इसने राजा जॉर्ज पंचम और रानी मैरी सहित राजपरिवार और राजनेताओं की मेजबानी की है और अभी भी सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और सम्राट हैली सेलासी जैसे विश्व नेताओं का दौरा किया जाता है। महल की विशेषताएँ

वास्तुकलाः यह महल नव शास्त्रीय वास्तुकलाका प्रमाण है जिसमें मेहराबदार द्वार संगमरमर के गलियारे और एक बड़ा पोर्ट कोचेरे जैसी विशेषताएं हैं। उद्यानः यह आम के बागों गेंदा और चमेली के खेतों सहित हरे-भरे बगीचों के बीच स्थित है। कला और सजावटः दीवारें महाराजा के संग्रह से कलाकृतियों तथा शाही और विशिष्ट अतिथियों के चित्रों से सजी हुई हैं। ताज होटल पर पहुच कर यात्रा सम्पन्न हुई इस यात्रा में टूरिज्म से जुड़े इंस्टीट्यूट व विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं गाइड बंधु होटल के सदस्य टूर ऑपरेटर ट्रैवल एजेंट वाराणसी टूरिज्म एसोसिएशन के सदस्यों ने भाग लिया। इस मौके पर श्री अशोक तिवारी ने संस्था द्वारा पद यात्रा की हार्दिक प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यों से टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा एवम प्रधानमंत्री काशी से सांसद नरेन्द्र मोदी काशी के पर्यटन उद्योग को तेज गति मिलेगी और भारत में आने वाले पर्यटकों की संख्या भी बढ़ेगी तथा वाराणसी के अति प्राचीन धरोहरों के बारे में देशी व विदेशी पर्यटकों को जानकारी उपलब्ध हो सकेगी जिससे उनका इस शहर के इतिहास के गुड़ रहस्य के बारे में ज्ञान वर्धन होगा। अंत में आध्यात्मिक नगरी काशी का पर्यटन मानचित्र का विमोचन महापौर द्वारा किया गया जिसकी 10000 हजार कॉपी काशी में आने वाले पर्यटन को दिया जाएगा। वाराणसी टूरिज्म एसोसिएशन के अध्यक्ष रशीद खान और विशाल सिंह होटल ताज ने अशोक तिवारी को स्मृति चिन्ह दे कर सम्मानित किया तथा पर्यटन उद्योग के लिए जी स टी रिफॉर्म करने के लिए प्रधानमंत्री काशी से सांसद नरेन्द्र मोदी का धन्यवाद व आभार व्यक्त किया। अशोक तिवारी का कार्यक्रम में आने के लिए धन्यवाद दिया।

कोषाध्यक्ष प्रवीण मेहता उपाध्यक्ष शिव त्रिपाठी व अश्वनी सिंह ने उपस्थित सभी प्रशासनिक अधिकारियों एवम अतिथियों को पुष्प गुच्छ व स्मृति चिन्ह दे कर सम्मानित किया।

जिसमें प्रमुख रूप से पीयूष मार्डिया एडीजी अंशुमान मिश्रा डीसीपी ट्रैफिक विदुष सक्सेना एसीपी साइबर सारनाथ पारुल गुप्ता डी ई जी बी उपस्थित थे। ए डी टी ओ ई के अध्यक्ष सुशील सिंह ने पर्यटन से जुड़े छात्र छात्रों को संस्था का सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संस्था के सदस्य संदीप पटियाल द्वारा मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश पर्यटन से उप निदेशक दिनेश कुमार भारत पर्यटन वाराणसी से सह निदेशक पावस प्रसून अम्बरिश सिंह भोला और अन्य लोग को भी सम्मानित किया गया। पर्यटन उद्योग की उत्कृष्ट सेवाओं के लिए होटल सूर्य देव हवेली से पंकज सिंह गाइड से अखिलेश मौर्य ड्राइवर समाज से चंद्रबली सिंह को सम्मानित किया गया।

मसाज की आड़ में वेश्यावृत्ति का खुलासा

(जीएनएस)। मिराहोड ,मुंबई : मिराहोड पूर्व के हातकेश स्थित 'सन स्पा सेंटर' में मसाज की आड़ में महिलाओं को वेश्यावृत्ति के लिए उकसाया जा रहा था। गुप्त जानकारी के आधार पर 25/09/2025 को पुलिस उपायुक्त राहुल चव्हाण के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस आयुक्त गणपत पिंगळे और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मेघना बुरांडे के नेतृत्व में छापा मारकर कार्रवाई की गई।इस मामले में निम्नलिखित आरोपियों पर केस दर्ज किया गया है:1. अलादीन उर्फ अलम हमीद शेख (35 वर्ष),2. स्वप्निल अरुण खरात (27 वर्ष, मैनेजर) और 3. योगेश गणेश रावल (26 वर्ष, स्टाफ),मामला अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम 1956 की धारा 3, 4, 5 और 7 और भादवि की धारा 143 (3), 3 (5) के तहत दर्ज किया गया है।

महिलाओं का सक्षम होना आत्मनिर्भर भारत का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है : उप-आयुक्त उद्योग.

(जीएनएस)। वाराणसी आराजीलाइन ब्लॉक के गांव हरसोस की निवासिनी सुनीता कुमारी के नए उद्यम का शुभारंभ पावन नवरात्रि के चतुर्थ दिवस में उप आयुक्त उद्योग मोहन शर्मा द्वारा किया गया। सुनीता कुमारी को योगी आदित्यनाथ की मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत ब्याजरहित लोन प्रदान किया गया है। सुनीता ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान एवं बजाज फिनसर्व द्वारा आयोजित सक्षम परियोजना के अंतर्गत डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता का प्रशिक्षण प्राप्त करने के साथ साथ अपने उद्यम की शुरूआत करने का प्रोत्साहन भी प्राप्त किया। उप आयुक्त उद्योग ने कहा की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को हर कीमत पर पूरा करने के लिए अग्रेषित है। इस उपलक्ष में उन्होंने कहा की भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान की सक्षम जैसी परियोजनाएं इस संकल्प में कदम से कदम मिलाकर सहयोग कर रही है और भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयास कर रही है। संस्थान की पीएसओ लक्ष्मी विश्वकर्मा ने बताया की सुनीता जैसे कई अन्य सूक्ष्म उद्यमियों को उद्यमिता के गुण में परिपक्व करके उनको स्वयं का रोजगार स्थापित करने में संस्थान लगातार सहयोग प्रदान कर रहा है। तथा साथ ही उद्यमियों को हैंड होल्डिंग सपोर्ट के अंतर्गत ब्रांडिंग मार्केटिंग इत्यादि की सुविधा भी प्रदान की जा रही है। उद्यमी सुनीता देवी ने कहा की उनके स्वयं के रोजगार स्थापित होने से से उनका जीवन यापन बेहतर होगा और उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया।

मंदिर और आसपास के एरिया में बार बार हो रही बिजली की कटौती से स्थानीय लोग ही नहीं बल्कि श्रद्धालु भी परेशानः प्रदेश अध्यक्ष गरिमा सिंह गौतम

(जीएनएस)। विश्व प्रसिद्ध मां विंध्यवासिनी मंदिर और आसपास के एरिया में बार बार हो रही बिजली की कटौती से स्थानीय लोग ही नहीं बल्कि श्रद्धालु भी परेशान है इसको लेकर राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण संगठन की प्रदेश अध्यक्ष गरिमा सिंह गौतम ने मंत्री ए के शर्मा को चिट्ठी लिखी उन्होंने बताया कि नवरात्र के पावन बेला में विंध्यवासिनी मंदिर में कई बार बिजली कटने से लोग परेशान हैं वरिष्ठ महासचिव जिला मिर्जापुर अनिल सिंह ने भी एक पत्र जारी किया पत्र में लिखा कि ऐसा लग रहा है जैसे मिर्जापुर और विंध्याचल के विद्युत विभाग ने ठान लिया है। योगी आदित्य नाथ के नेतृत्व वाली सरकार की बदनामी पुरे यू पी व दुनिया में करवाने के बाद ही दम लेंगे ज्ञात हो रहा है इस सदी नवरात्रि के अवसर पर माता विंध्यवासिनी के दर्शन के लिए प्रतिदिन देश विदेश से लाखों दर्शनर्थियों का आगमन विंध्याचल धाम में हो रहा है इस दौरान स्थानीय विद्युत विभाग की व्यवस्था लगभग ध्वस्त हो चुकी है नवरात्र मेला शुरू होने के 3 सप्ताह पहले से ही विद्युत विभाग ने अपनी व्यवस्था सुधारने के लिए काम शुरू किया था। लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन पात है इस गर्मी के दौरान भी विंध्याचल नवरात्रि के 3 दिन बीते हैं लेकिन दर्जनों बार लाइट बिजली की कटौती हुई है बाहर से आने वाले समस्त दर्शनर्थियों को सरकार की व्यवस्था सही नहीं लग रही है। पत्र में ये भी लिखा अगर नवरात्रि के दौरान विद्युत विभाग की लापरवाही रही तो दुनिया भर से आने वाले श्रद्धालु योगी सरकार को बुरा ही बता कर जाएंगे। अनिल सिंह के पत्र पर उपभोक्ता संरक्षण का जवाब उत्तर प्रदेश उपभोक्ता संरक्षण की अध्यक्ष गरिमा सिंह ने संज्ञान लेते हुए लिखा कि मेरे संज्ञान में जिला महासचिव अनिल सिंह के द्वारा अवगत कराया गया है कि आदिशक्ति मां विंध्यवासिनी के धाम में नवरात्रि के पावन महीने एवं मेले में बिजली की समस्या है बहुत ही दुख के साथ आपको सूचित कर रही हूं ऐसे अधिकारी और कर्मचारियों पर जांच और कार्रवाई होना चाहिए। ताकि भविष्य में सनातन धर्म की भावनाओं से कोई ऐसा घृणित कार्य न करें।

नगर पालिका परिषद स्योहारा में संचारी रोग रोकने की तैयारी

(जीएनएस)। स्योहारा। पांच अक्टूबर से अभियान शुरू करने की बनी रणनीति। नगर पालिका परिषद स्योहारा में अधिशाषी अधिकारी बृजेंद्र सिंह पाल की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संचारी रोग और दस्तक अभियान के लिए रणनीति बनाई गई। यह अभियान 5 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चलेगा। सीएचसी स्योहारा के चिकित्सा अधीक्षक डॉ बी0 के स्नेही ने दिया प्रशिक्षण।

संचारी रोग रोकने की तैयारी, पांच अक्टूबर से अभियान शुरू करने की बनी रणनीति। स्योहारा के चिकित्सकों तथा जिम्मेदारों के साथ मीटिंग आयोजित की गयी। बैठक में आगामी दिनों में शुरू होने वाले संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा दस्तक अभियान चलाने की राजनीति तैयार की गई। नगर पालिका परिषद स्योहारा परिसर स्थित मीटिंग हॉल में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हैए ई ओ बृजेंद्र सिंह पाल सिंह ने कहा कि शासन की महत्वाकांक्षी योजना के तहत संचारी रोग नियंत्रण तथा दस्तक अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी जिम्मेदार अधिकारी तथा कर्मचारी अपने दायित्वों को लगन शीलता से निपटने में योगदान दे। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा के चिकित्सा अधीक्षक डॉ बी के स्नेही ने बताया कि संचारी रोग जागरूकता अभियान 5 अक्टूबर से 31 अक्टूबर के मध्य चलाया जाना है तथा 11 अक्टूबर से 31 अक्टूबर के मध्य दस्तक अभियान चलाया जायेगा। डॉ बी 0के 0स्नेही ने बताया कि

इसी को दृष्टिगत रखते हुए तैयारियां पूरी कर ली गई है। उन्होंने बताया कि बरसात के मौसम में जलभराव एवं साफ सफाई न होने का कारण मच्छर पनपने लगते है। संचारी रोगों से पीड़ित व्यक्तियों की पहचान हेतु घर-घर स्वास्थ्य विभाग की टीम जायेगी। चिकित्सा अधीक्षक डॉ स्नेही के मुताबिक संचारी रोग कार्यक्रम के अच्छे ढंग से संचालन हेतु उप जिलाधिकारी सुश्री स्मृति मिश्रा जी ने कार्यक्रम को लेकर रणनीति बनाई। नगर पालिका परिषद स्योहारा के अधिशासी अधिकारी विजेंद्र पाल सिंह ने बताया कि संचारी रोग नियंत्रण करने के लिए पालिका के कर्मचारी स्वच्छता अभियान चलाने में जुटे हैं। बैठक में सीएचसी स्योहारा के सरकारी चिकित्सालयों के चिकित्सा अधिकारियों तथा कर्मचारियों हेल्थ सुपरवाइजर राजेश कुमार, वीर सिंह, ए आर ओ आलोक कुमार, देवेंद्र बाबू,शान बाबू ,अमित सैनी, चांदनी आदि की मौजूदगी में तैयारियों को भी अंतिम रूप दिया गया है। सभी ने संचारी रोग के नियंत्रण के लिए उन्होंने जनता से भी सहयोग की अपील की है।